आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में गरीब परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा

चर्चा में क्यों?

3 सितंबर, 2021 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में आयोजित आदर्श संस्कृति विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा बैठक में **आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों** (Model Sanskriti Senior Secondary School) में **गरीब परिवारों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा** प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत गरीब परिवारों के उन बच्चों को मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी, जिनका **परिवार पहचान-पत्र के तहत सत्यापन** किया गया है।
- इन विद्यालयों की निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के लिये मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को इन स्कूलों का दौरा करने और इन स्कूलों की मासिक समीक्षा के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने एसडीएम, डीडीपीओ, तहसीलदार जैसे ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों को इन **स्कूलों को गोद लेने का सुझाव** भी दिया।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने बजट भाषण के दौरान राज्य के **प्रत्येक प्रखंड में शासकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला** एवं **शासकीय आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालय** खोलने की घोषणा की थी, ताकि विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके।
- वर्तमान में, राज्य में 137 सरकारी मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और 1,418 आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालय कार्यरत हैं। आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में बच्चों की संख्या में 27.90 प्रतिशत तथा आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालयों में 16.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/free-education-to-children-model-sanskriti-senior-secondary-school